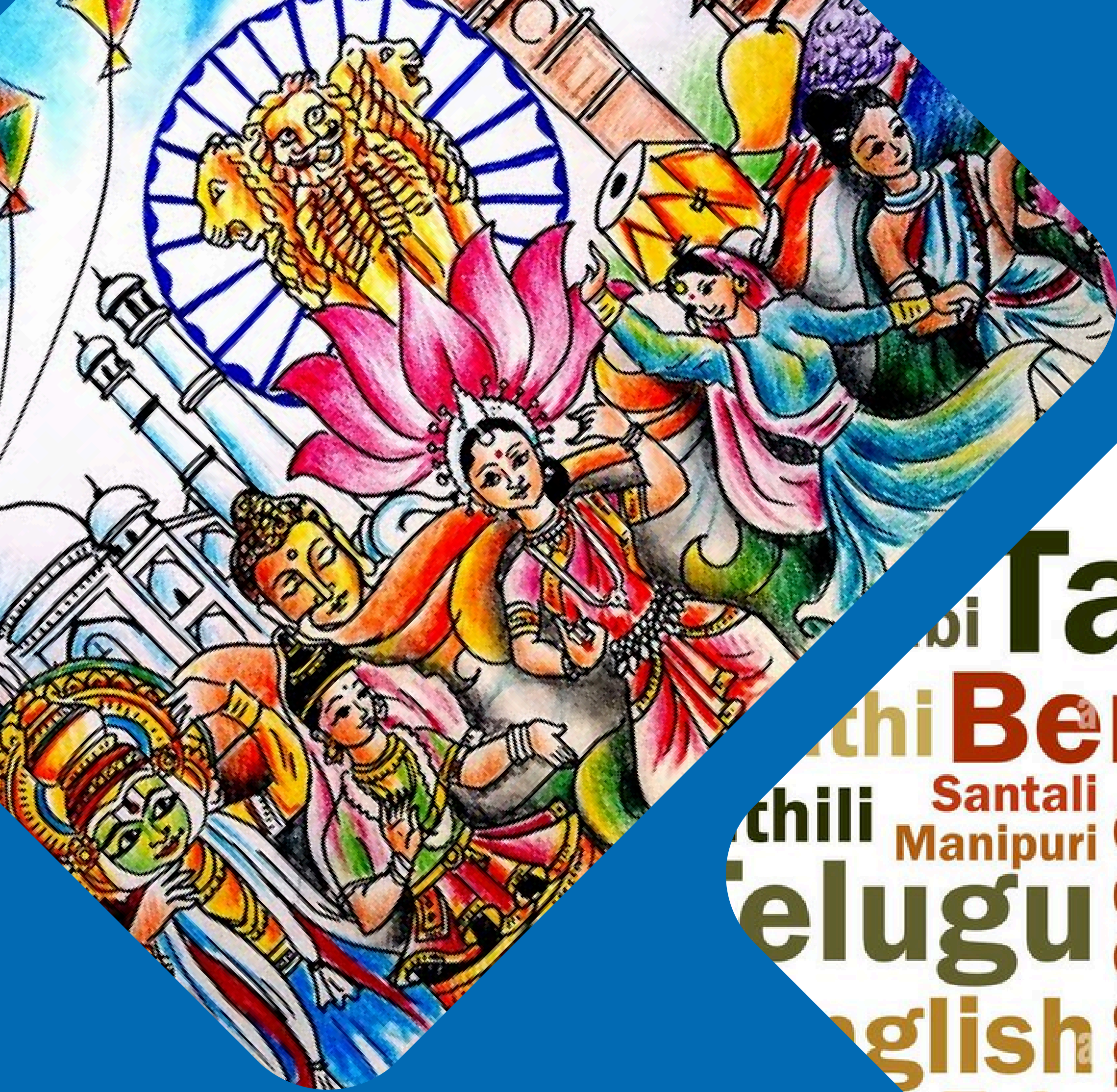

SEPTEMBER MAGAZINE

Our Language Our Identity

“Our language is our roots; our roots are our pride.”

September is a month to celebrate the beauty of our language and the richness of our culture. With Hindi Diwas marking the importance of our national language, we remember that language is more than words—it is our identity, our heritage, and our pride. This month, let us honour our mother tongue, explore its treasures, and embrace the stories, traditions, and emotions it carries across generations.

From the desk of Principal

हमारी भाषा, हमारी पहचान

हमारी मातृभाषा हिंदी सचमुच में एक अनोखी भाषा है। इस भाषा जैसा सौंदर्य, सहजता और गहराई किसी और भाषा में नहीं मिलती। एक कहावत है – "हिंदी की तो बिंदी भी मायने रखती है।" यह बात सच है, क्योंकि हिंदी में प्रत्येक अक्षर उच्चारित होता है, कोई भी "साइलेंट" नहीं रहता। हिंदी की यही स्पष्टता हमारे भारतीय व्यक्तित्व से मिलती-जुलती है – जैसे हम बाहर से हैं, वैसे ही भीतर से भी हैं; न दिखावा, न छल, न कपट।

हिंदी में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का आनंद ही कुछ और है। चाहे गुस्सा हो या दर्द, खुशी हो या प्रेम – हिंदी में बोलने से जो संतोष और अपनापन मिलता है, वह किसी विदेशी भाषा में नहीं मिलता। हिंदी शब्दों की समृद्धि भी अद्वितीय है। इसकी जड़ संस्कृत है, जो देवताओं की भाषा मानी गई है। यही कारण है कि हिंदी का हर शब्द अपने आप में एक दिव्यता और अर्थ की गहराई समेटे हुए है।

हिंदी की एक और अद्भुत विशेषता है – समावेशिता। इसने अनेक भाषाओं के शब्दों को अपनाकर अपने स्वरूप को और भी समृद्ध किया है। यही हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान भी है – सबको स्वीकार करना, सबको साथ लेकर चलना।

इसलिए कहना गलत न होगा – हिंदी केवल भाषा नहीं, यह हमारी पहचान है, हमारी आत्मा की आवाज़ है।

हम अपनी भाषा पर गर्व करें। ज्ञान सभी भाषाओं का हो लेकिन सर्वोपरि स्थान अपनी भाषा का हो।

Inter House Science Quiz Competition

An Inter House Science Quiz Competition was organized in our school to encourage scientific learning and teamwork among students.

In the Senior Section (Classes 9–12), Yellow House secured the First Position, Red House stood Second, while Green House bagged the Third Position.

In the Middle Section (Classes 3–5), Yellow House again proved their excellence by achieving the First Position, Blue House won the Second Position, and Red House stood Third.

The competition created a spirit of curiosity, confidence, and healthy rivalry among the participants. It was truly a day of knowledge and enthusiasm under the guidance of Science Department.

Teachers’ Day Celebration

Our school celebrated Teachers’ Day with great enthusiasm and cultural spirit. The program began with a traditional puja of teachers, symbolizing deep respect and gratitude towards them. Students presented a variety of cultural performances, showcasing the strong bond between teachers and students.

A special musical performance dedicated to teachers touched everyone’s hearts and was highly appreciated. The event beautifully reflected the value of the guru-shishya relationship and created memorable moments for both teachers and students.

The celebration not only honored the invaluable role of teachers but also strengthened the bond of love, respect, and inspiration that students share with their mentors.

Kindergarten Assembly Presentation

The Kindergarten kids of our school presented a heart-warming assembly that left everyone delighted. The little ones performed beautifully on a devotional Radha–Krishna song, filling the atmosphere with joy and innocence. Their graceful movements, vibrant expressions, and confident stage presence won the hearts of the audience.

It was truly a mesmerizing performance that showcased not only their talent but also their growing confidence and love for cultural values. The assembly ended with loud applause, making it a memorable experience for all.

हिंदी कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद प्रतियोगिता

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता (कक्षा 3 से 5 तक)

हमारे विद्यालय में कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छोटे बच्चों ने आत्मविश्वास और उमंग के साथ कविताएँ प्रस्तुत कीं। उनकी मधुर आवाज़ और स्पष्ट उच्चारण ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में सभी सदनों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता में वशिष्ठ सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (कक्षा 6 से 8 तक)

विद्यालय में कक्षा 6 से 8 कक्षा तक के विद्यार्थियों हेतु हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने तेज़ी और सटीकता से प्रश्नों के उत्तर दिए। भाषा और साहित्य से जुड़े प्रश्नों ने प्रतियोगिता को और भी रोचक बना दिया। इस प्रतियोगिता में पाणिनि सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता (कक्षा 9 से 12 तक)

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था –*"डिजिटल शिक्षा बनाम आध्यात्मिक शिक्षा"*।

प्रतिभागियों ने अपने-अपने पक्ष और विपक्ष को दृढ़ तर्कों के साथ प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की वाकपटुता और विचारों की गहराई ने सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे–

प्रथम स्थान : आशुतोष साहू (पाणिनि सदन)

द्वितीय स्थान : अर्पण अग्रवाल (पाणिनि सदन)

तृतीय स्थान : हरिओम पुरोहित (व्यास सदन)

यह विशेष उल्लेखनीय रहा कि पाणिनि सदन के दो विद्यार्थियों ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर अपने सदन को विजयी बनाया।

Wall of Fame

Sports Highlights – Gurukul Champions

Our Gurukul also proudly hosted District and Division level tournaments.

KHO-KHO (DIVISION LEVEL)
(U-17) - Om Patel

KABADDI (DIVISION LEVEL)
(U-19)- Mehul Lohadia
(U-14)- Yash Janggal,
Vikas Rawat,
Anuj Patel

MALLAKHAMB (DIVISION LEVEL)
Om Chormale
Ankit Sahu

MALLAKHAMB (STATE LEVEL)
(U-19) -Alok Verma
Keshav Akhade
(U-17) - Vishesh
(U-14) -Mahatva

HOCKEY (DIVISION LEVEL)
(U-17) - Ujjwal Prasad
(U-14) - Harshit
Prakash Choudhary

Wall of Fame

Sports Highlights – Gurukul Champions

SSAG Gurukul Students Shine at 69th SGFI State Level Malkhamb Competition 2025, Ujjain

SSAG Gurukul, Indore, proudly represented the school at the 69th SGFI State Level Malkhamb Competition 2025, held in Ujjain. The event witnessed participation from 650 students across 9 divisions from all over Madhya Pradesh, making it a highly competitive and prestigious tournament.

Their remarkable performance marks a big achievement for both the students and the school. We pray that our school athletes continue to excel and make India proud on national platforms.

Adding to this pride, Mr. Gourav Ravliya, our dedicated Sports Officer, was also selected as a Coach for this state-level tournament, guiding and inspiring the students throughout the competition

SSAG Gurukul's participation in this esteemed event reflects the school's commitment to nurturing sporting talent alongside academics, encouraging students to reach greater heights.

Student Poll

Benefits of Meditation & chanting Hari Om in student life ?

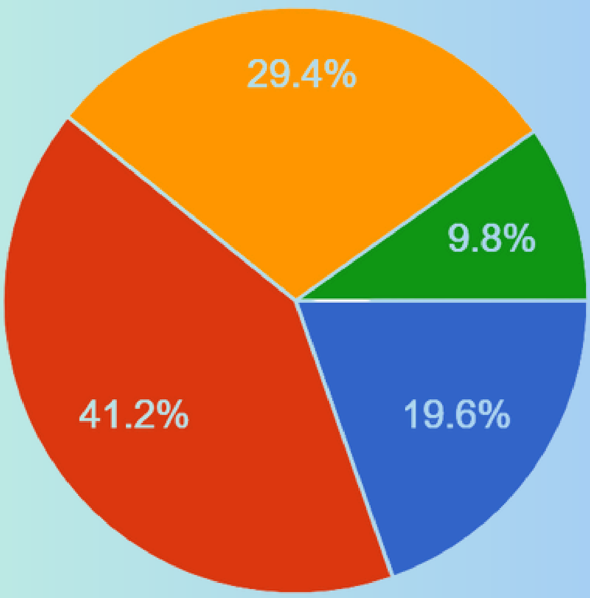

51 Responses

- Yes, it helps me feel calm and relaxed
- Yes, it improves my concentration and focus
- Yes, it gives me spiritual positivity and peace
- No, I don't feel any particular change

Board Decoration

INTER HOUSE

YELLOW HOUSE - VASISHTHA SADAN

RED HOUSE - PATANJALI SADAN

BLUE HOUSE - VYAS SADAN

GREEN HOUSE - PANINI SADAN

हिंदी हूं मैं पूरे भारत के , जन् मन की मैं आशा हूँ ।

श्रीमती दमयंती जोशी
विभागाअध्यक्ष हिंदी

सबके तन मन में सदा , मैं डोली जाने वाली ।
सबसे ज्यादा पूरे भारत में , मैं बोली जाने वाली ।
लगती मधुर सभी को लिखने , पढ़ने , सुनने में ,
छंद , रस और अलंकार में , मैं घोली जाने वाली ।
जीवन की परिभाषा हूं मैं , हिंदुस्तान की भाषा हूँ ।
हिंदी हूँ मैं पूरे भारत के , जन मन की मैं आशा हूँ ।।

क्या बच्चा क्या बूढ़ा , क्या ग्रामीण क्या शहरी ।
चलती रहती जुबान पर सबके , मन में बैठी गहरी ।
सबको मैं जोड़कर रखती , शब्दों के धागों से ,
करती रक्षा संस्कृति की , बनकर मैं प्रहरी ।
सद्भाव स्नेह और प्रेम करुणा की , हूं मैं जग की अभिलाषा हूँ ।
हिंदी हूं मैं , पूरे भारत के , जन मन की मैं आशा हूँ ।

मेरे कारण इस दुनिया को , कितने ही विद्वान् मिले ।
न्याय धर्म और सत्य अहिंसा का , इस दुनिया को ज्ञान मिले ।
रामचरितमानस तुलसी की , जयशंकर की कामायनी ,
प्रेमचंद से इस दुनिया को , उपन्यास गोदान मिले हैं ।
न जाने कितने लोगों की , पलटी मैं पासा हूं ।
हिंदी हूं मैं पूरे भारत के , जन् मन की मैं आशा हूँ ।

सपनों का सफ़र

श्रीमती सुषमा ठक्कर
हिंदी अध्यापिका

सपनों का सफ़र आसान कहाँ,
काँटों से भरी है ये राह यहाँ।
जो ठोकर खाकर भी मुस्काए,
वही मंज़िल तक पहुँच पाए।

हर अँधियारा एक इशारा है,
कि सूरज पास ही हमारा है।
हिम्मत रखो, कदम बढ़ाओ,
रुकना नहीं, बस चलते जाओ।

सपनों से ही जीवन सजता है,
मेहनत से ही इतिहास बनता है।
कल का सूरज चमकेगा तभी,
जब आज पसीना बहाओ सभी।

चलो उठो, अब थाम लो डगर,
होगा पूरा सपनों का सफ़र।

संगीत और सुकून

श्री राजेश सांखला
संगीत विभागाध्यक्ष

संगीत, जिसे अक्सर केवल मनोरंजन का साधन माना जाता है, हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा है। सुबह से लेकर रात तक हम अपनी पसंद के गीत,भजन,गजल, क़व्वाली शास्त्रीय संगीत या सूफी हो या फिल्मी संगीत हर दिन सुनते है और गाते हे। यह सिर्फ ध्वनियों का एक संग्रह नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कृति और विचारों की एक खूबसूरत अभिव्यक्ति है।

स्कूल के छात्रों के लिए, संगीत का महत्व और भी अधिक है। यह सिर्फ एक विषय नहीं है, बल्कि एक ऐसा साथी है जो उन्हें कई तरह से मदद करता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि संगीत सीखने से छात्रों की एकाग्रता , याददाश्त और रचनात्मकता में सुधार होता है। जब हम कोई वाद्य यंत्र बजाना सीखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क के दोनों हिस्से एक साथ काम करते हैं, जिससे हमारी सोच और समस्या-समाधान क्षमता बेहतर होती है।

संगीत हमारे मन और भावनाओं को भी प्रभावित करता है। जब हम उदास होते हैं, तो एक मधुर गीत हमें सुकून दे सकता है। जब हम उत्साहित होते हैं, तो संगीत हमारी खुशी को बढ़ा सकता है। यह तनाव कम करने का एक बेहतरीन तरीका है और हमें शांति का अनुभव कराता है। संगीत हमें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका देता है, जब शब्द कम पड़ जाते हैं।

संगीत हमें अनुशासन और धैर्य भी सिखाता है। एक गीत या राग को सही तरह से बजाने के लिए निरंतर अभ्यास और लगन की आवश्यकता होती है। यह हमें सिखाता है कि सफलता के लिए मेहनत और समर्पण कितना जरूरी है। इसके अलावा, जब हम किसी बैंड या ऑर्केस्ट्रा का हिस्सा होते हैं, तो हम और सहयोग का महत्व समझते हैं। संगीत एक साधना हे जिस के लिए लगातार अभ्यास करना होता हे,स्वर ओर ताल का ज्ञान गुरु देते हे पर बिना ईश्वर की कृपा के ये सब अधूरा हे, उसकी कृपा और साधना से ही साधक के गायन या वादन में निखार आता हे ।

तो, प्रिय छात्रों, संगीत को सिर्फ एक विषय न समझें। इसे अपने जीवन का एक हिस्सा बनाएं। चाहे आप गाना गाएँ, कोई वाद्य यंत्र बजाएँ, या बस ध्यान से सुनें, संगीत को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। यह आपके जीवन में एक नया रंग और एक नया सुर भर देगा। संगीत की इस जादुई दुनिया को अपनाएं और अपने जीवन को और भी खूबसूरत बनाएं।

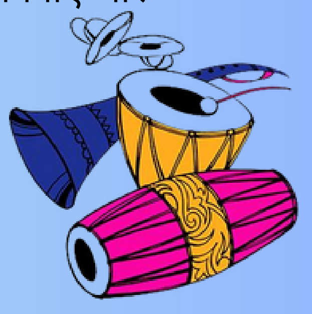

Teacher’s Corner

श्री नवीन राना
संगीत विभाग
(तबलावादक)

संगीत की धड़कन - 'ताल'

संगीत हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। यह हमें खुशी, सुकून और ऊर्जा देता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि संगीत इतना मधुर और लयबद्ध क्यों लगता है? इसका राज़ है 'ताल'।

एक संगीत शिक्षक होने के नाते, मैं अक्सर बच्चों को बताता हूँ कि ताल संगीत की धड़कन है। जैसे हमारे दिल की धड़कन हमें जीवित रखती है, वैसे ही ताल संगीत को जीवन देती है। ताल के बिना, संगीत बस शोर का एक बेतरतीब संग्रह बन जाएगा।

ताल क्या है?

सरल शब्दों में, ताल समय को मापने का एक तरीका है। यह एक निश्चित पैटर्न में होती है जो संगीत को एक नियमित गति और संरचना देती है। भारतीय शास्त्रीय संगीत में, हम तबला और मृदंग जैसे वाद्यों का उपयोग करके ताल को महसूस करते हैं। हर ताल का अपना एक विशेष चक्र होता है, जैसे दादरा ताल में 6 मात्राएँ होती हैं, और तीनताल में 16 मात्राएँ।

जब हम कोई गाना सुनते हैं, तो हमारे पैर अपने आप थिरकने लगते हैं या हम उंगलियों से ज़मीन पर थपथपाने लगते हैं। यह ताल ही है जो हमें ऐसा करने पर मजबूर करती है। यह हमें संगीत से जोड़ती है और हमें उसकी लय में खो जाने देती है।

ताल का महत्व

संगीत को अनुशासन देती है: ताल संगीत को एक निश्चित नियम में बाँधती है, जिससे कलाकार और श्रोता दोनों को पता चलता है कि आगे क्या होने वाला है।

समूह में सामंजस्य: ऑर्केस्ट्रा या बैंड में, सभी संगीतकार ताल का पालन करके एक साथ बजते हैं, जिससे एक सुंदर और सुरीला संगीत तैयार होता है।

भावों को व्यक्त करती है: तेज ताल खुशी और उत्साह को दर्शाती है, जबकि धीमी ताल शांति और उदासी को व्यक्त कर सकती है।

श्रोता को जोड़ती है: ताल श्रोता को संगीत में शामिल होने का मौका देती है, चाहे वह ताली बजाकर हो या नाचकर।

संगीत सिर्फ सुरों का खेल नहीं है, बल्कि ताल का भी है। अगली बार जब आप कोई गीत सुनें, तो सिर्फ उसकी धुन पर ध्यान न दें, बल्कि उसकी ताल को भी महसूस करने की कोशिश करें। आप पाएंगे कि संगीत का अनुभव और भी गहरा हो जाएगा।

आइए, हम सब मिलकर इस संगीतमय यात्रा का आनंद लें और ताल की शक्ति को पहचानें।

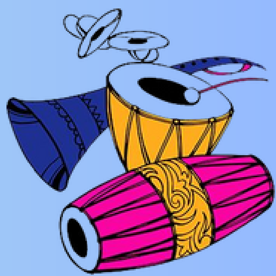

Student Corner

My Life at Gurukul

Hariom, readers. I am Raghav Pathak, a student at Sant Shri Asharamji Gurukul in Indore.
I am originally from Kutch, Gujarat. When I first arrived at Gurukul, I had a traditional idea of what it would be like. I imagined an ancient school with sages performing rituals, but to my surprise, I found a modern building and was comforted by our very kind principal, who helped me feel at ease.

I have now completed three years at Gurukul, and my fourth year is underway. These years have taught me the importance of stepping outside my comfort zone. Just as gold is heated and refined to shine, my life has been transformed here.

I would I just say that you should send your child here for the peaceful environment, excellent students, or friendly teachers. Rather, I would say that at Gurukul, your child will learn how to be a person of their word and how to be sophisticated. They will also learn how to manage and thrive among the 175 diverse minds they will encounter here.

At Gurukul, your child will gain new perspectives on life, experience the joy of friendship, and face the challenges of navigating difficult situations. Here, you learn to be your true self and discover your strengths and weaknesses in handling various circumstances. Ultimately, Gurukul is not just a place to acquire knowledge for a career. It is a place where we learn to navigate the highs and lows of life with grace and resilience.

Raghav Pathak
class - XI (Sci.)

Student Corner

CREATIVE HANDS

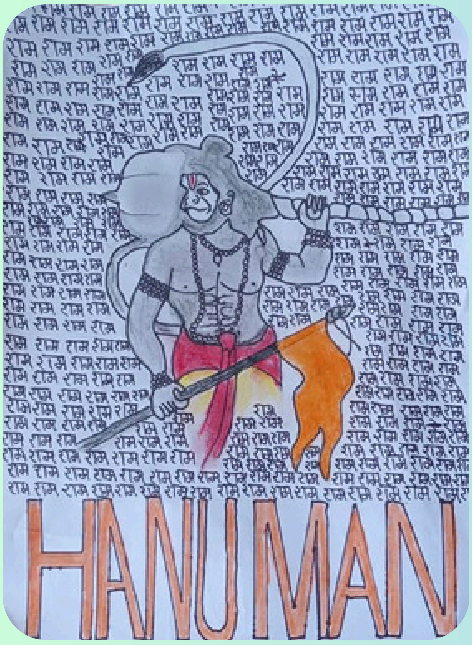

Paras Ratnawat
class-6th

Tanishq Rajpal
class - 3rd

Rounak Karole
class - 4th

Anamay Yadav
class - 6th

Krishna Namdev
class - 6th

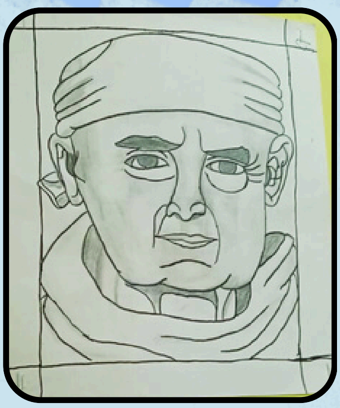

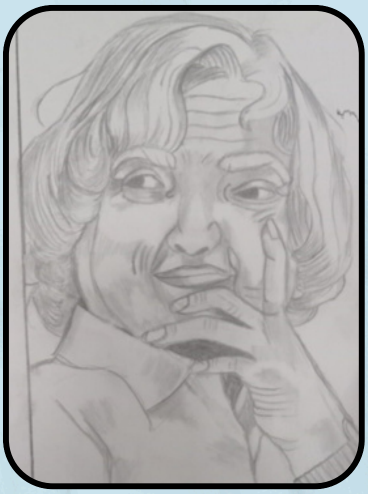

Aarul Kachhwaha
class-5th

Aarul Kachhwaha
class-5th